

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester-IV

Core Course : CCPPG421 अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

Model Question Paper – Set A

Paper Code : CCPPG421

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- a) अनुवाद से क्या अभिप्राय है?
- b) स्रोत भाषा किसे कहते हैं?
- c) भावानुवाद क्या है?
- d) पारिभाषिक शब्दावली किसे कहते हैं?
- e) पंचपरगनिया से हिंदी अनुवाद का एक महत्त्व लिखिए।

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) अनुवाद की प्रमुख विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्त्व का समालोचनात्मक विवेचन कीजिए।
4. अनुवाद में भाषिक समतुल्यता (Linguistic Equivalence), सांस्कृतिक समतुल्यता (Cultural Equivalence) एवं संप्रेषणीयता का विश्लेषण कीजिए।
5. पंचपरगनिया से हिंदी तथा हिंदी से पंचपरगनिया अनुवाद की समस्याओं एवं उनके समाधान का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
6. मुहावरों, लोकोक्तियों एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के अनुवाद की समस्याओं का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।
7. व्यावहारिक अनुवाद में पुनरीक्षण (Revision), संपादन (Editing) एवं प्रूफ-पठन (Proof Reading) के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।
8. "अनुवाद केवल भाषाई प्रक्रिया नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद का सशक्त माध्यम है।" इस कथन की समालोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester-IV

Core Course : CCPPG421 अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

Model Question Paper – Set B

Paper Code : CCPPG421

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- (i) शब्दानुवाद किसे कहते हैं?
- (ii) लक्ष्य भाषा (Target Language) किसे कहते हैं?
- (iii) भाषिक समतुल्यता (Linguistic Equivalence) क्या है?
- (iv) द्विभाषिकता (Bilingualism) क्या है?
- (v) तकनीकी अनुवाद किसे कहते हैं?

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) पंचपरगनिया, हिंदी एवं अंग्रेज़ी अनुवाद की प्रमुख विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. शब्दानुवाद, भावानुवाद एवं स्वतंत्र अनुवाद का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
4. अनुवाद में शब्द-चयन, वाक्य-विन्यास एवं शैली की भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
5. पंचपरगनिया, हिंदी एवं अंग्रेज़ी के भाषिक स्वरूप का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए अनुवाद में उनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए।
6. साहित्यिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी पाठों के त्रिभाषिक अनुवाद की विशेषताओं का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
7. शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, मीडिया एवं व्यवसाय के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुवाद की भूमिका का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
8. "उत्कृष्ट व्यावहारिक अनुवाद के लिए भाषिक दक्षता, विषय-ज्ञान एवं सांस्कृतिक समझ आवश्यक है।" इस कथन का समालोचनात्मक विवेचन कीजिए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester-IV

Core Course : CCPPG421 अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

Model Question Paper – Set C

Paper Code : CCPPG421

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- (i) साहित्यिक अनुवाद किसे कहते हैं?
- (ii) व्यावहारिक अनुवाद से क्या अभिप्राय है?
- (iii) मशीन अनुवाद (Machine Translation) क्या है?
- (iv) प्रूफ-पठन (Proof Reading) का उद्देश्य क्या है?
- (v) भाव-संप्रेषण का क्या अर्थ है?

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) व्यावहारिक अनुवाद की प्रमुख विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. अनुवाद में भाषिक, सांस्कृतिक एवं संदर्भगत समस्याओं का विश्लेषण करते हुए उनके समाधान सुझाए।
4. अनुवाद में भाषा एवं संस्कृति के अंतर्संबंध का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
5. त्रिभाषिक अनुवाद में मुहावरों, लोकोक्तियों एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के अनुवाद की समस्याओं का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।
6. पंचपरगनिया भाषा एवं साहित्य के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार में अनुवाद की भूमिका का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
7. मशीन अनुवाद एवं मानव अनुवाद का व्यावहारिक दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
8. "वैश्वीकरण एवं डिजिटल युग में अनुवाद की प्रासंगिकता निरंतर बढ़ती जा रही है।" इस कथन का समालोचनात्मक विवेचन कीजिए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)